Qurbani ki dua in arabic text

إِنِّي وَجَّهْتُ وَجْهِيَ لِلَّذِي فَطَرَ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ حَنِيفًا وَمَا
أَنَا مِنَ الْمُشْرِكِينَ إِنَّ صَلَاتِي وَنُسُكِي وَمَحْيَايَ وَمَمَاتِي لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ لَا شَرِيكَ لَهُ وَبِذَلِكَ أُمِرْتُ وَأَنَا أَوَّلُ الْمُسْلِمِينَ، بِسْمِ اللهِ اللهُ
أَكْبَرُ

Qurbani ki dua in hindi text

न्नी वज्जहतु वज्हि-य लिज्लज़ी फ़-त-रस्समावाति वल अर-ज़ अला मिज्लति इजही- म हनीफ़ंव व मा अनाज मिनल मुज्किीन इन-न सलाती व नुसुकी व महया-य व ममाती लिज्लाहि रब्बिल आ ल मी न ला शरी-क लहू ज़ व बि ज़ालि-क उमितुज व अना मिनल मुस्लिमीन अज्लाहुम-म मिन-क व ल-क अन ० बिस्मिज्लाह वज्लाहू ज़ अकबर।

Qurbani ki dua in hindi meaning

मैंने उस ज़ात की तरफ़ अपना ज्ख मोड़ा जिसने आसमानों को और जमीनों को पैदा किया, इस हाल में में इजहीम में हनीफ़ के दीन पर हूं और मुज्को में से नहीं हूँ।

बेशक मेरी नमाज़ और मेरी इबादत और मेरा मरना और जीना सब अज्लाह के लिए है जो रब्बुल आलमीन है, जिसका कोई शरीक नहीं और मुझे इसी का हुज्म दिया गया है और मैं फरमाबरदारों में से हूं। ऐ अज्लाह, यहज कुबाज्नी तेरी तौफ़ीक़ से है और तेरे लिए है।